स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा समय-समय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

व्याख्यान-संगोष्ठी

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक जागरण, स्वाधीनता आंदोलन में जनसमुदाय की भूमिका, धर्म निरपेक्षता, लोकतंत्र, जंगे आज़ादी और साहित्य जैसे अनेक गंभीर विषयों पर बातचीत एवं चर्चाओं के लिए **संगोष्ठी** के आयोजन शोधार्थियों, विद्यार्थियों, इतिहासकारों और विद्वानों के लिए उपयोगी एवं सार्थक रहे हैं।

आज का भारत व्याख्यानमाला अंतर्गत **आधुनिकीकरण पर पुनर्विचार** विषय पर **प्रख्यात साहित्यकार प्रो. अजय तिवारी, भविष्य के आइने में भारतीय अर्थव्यवस्था** विषय पर **डॉ. भरत झुनझुनवाला, इच्छित कल संभव है पर कैसे ?** विषय पर **प्रो. यशपाल, कुछ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य** विषय पर **हरबंस मुखिया, विवेकानंद का भारत** विषय पर प्रो. **विष्णुकांत शास्त्री** का **व्याख्यान**, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की संस्कृतिविद् **डॉ. कपिला वात्स्यायन** का **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संस्कृति के अंतर्संबंध : भारतीय परिदृश्य** विषय पर **व्याख्यान**, शीर्ष फिल्मकार एवं विद्वान वक्ता **डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, मुम्बई** द्वारा **भारतीय ज्ञान परम्परा और विवेकानंद** पर **व्याख्यान** दिया।